**(Hindi)**

TRANSLATION OF THE PRESS RELEASE ON 24.02.2023

# तम्बू में हमेशा जगह होती है

प्रेस नोट 2 24 फरवरी 2023

उद्घाटन ख्रीस्तयाग, पवित्र आत्मा की ख्रीस्तयाग की अध्यक्षता टोक्यो के आर्चबिशप और एफएबीसी के महासचिव आर्चबिशप टार्सिसियो इसाओ किकुची एसवीडी ने दिली महाधर्मप्रांत के वर्जिलियो कार्डिनल डो कार्मो दा सिल्वा एसडीबी, और लाओस के वियनतियाने के अपोस्टोलिक विकर लुई कार्डिनल मैरी लिंग मंगखानेखौं की सहभागिता में की।

अपने उद्बोधन में आर्चबिशप किकुची ने अफ्रीका में एक मिशनरी के रूप में अपने पास्टोरल अनुभव से आह्वान किया, जो निराशा और उदासीनता की स्थितियों को उजागर करता है जो मानव आत्मा और मानवता की आत्मा को नष्ट कर देता है, और आशा और प्रेम की स्थिति - घाना का जादू जो जीवन और आनंद लाता है, जिसे एकता की भावना से मनाया जाता है।

पवित्र यूखरिस्त का समापन मोमबत्तियों के आशीर्वाद के साथ हुआ जो समूहों के मध्यस्थों को उनकी मेजों पर रखने के लिए दिया गया था। चर्चा के दौरान जलाई गई ये मोमबत्तियाँ ख्रीस्त के प्रकाश का प्रतीक हैं जो प्रेरित करती हैं और चर्चाओं को धर्मसभामय (सिनॉडल) यात्रा का प्रतिबिंब बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

धर्मसभा (सिनॉड) के सचिवालय के महासचिव मारियो कार्डिनल ग्रेच ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिनिधियों को याद दिलाया कि 'हम सभी धर्मसभा में शिक्षार्थी हैं' - हमें कलीसिया के भीतर की आवाज़ों के प्रति और अधिक चौकस रहने के लिए प्रोत्साहित करना, विशेष रूप से उन आवाज़ों के लिए जो आंदोलन करती हैं। और उनको भी जो 'नहीं बोलते'। कार्डिनल ग्रीच ने जोर दिया, "एक धर्मसभा कलीसिया सुनने की एक कलीसिया है" और जोर देकर कहा कि प्रक्रिया की सफलता प्रभु के लोगों और पुरोहितों (जो प्रभु के लोगों के सदस्य भी हैं) की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। इसके अलावा, उन्होंने समझाया कि धर्मसभा का एक उचित अभ्यास कभी भी लोगों और पुरोहितों को प्रतिस्पर्धा में नहीं रखता है बल्कि उन्हें निरंतर संबंध में बनाए रखता है, जिससे दोनों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को पूरा करने की अनुमति मिलती है। कार्डिनल ग्रेच ने कहा, "कलीसिया में परामर्श ने ईश्वर के लोगों को मसीह के भविष्यवाणी समारोह में भाग लेने के सही तरीके को लागू करने में सक्षम बनाया है।" अंत में, कार्डिनल ग्रेच ने सुनने के महत्व पर बल दिया। पवित्र आत्मा को सुनना जो कलीसिया से बात करता है और यह वाक्यांश 'एक धर्मसभा कलीसिया सुनने की एक कलीसिया है' को एक आलंकारिक वाक्यांश में कम नहीं किया जाना चाहिए बल्कि सच्चाई को चित्रित करना चाहिए कि यह है। कार्डिनल ग्रेच ने प्रतिनिधियों के दिमाग का मार्गदर्शन करने और उन्हें धर्मसभा के मार्ग पर चलने का साहस देने के लिए पुनर्जीवित प्रभु की आत्मा का आह्वान किया, जो वह मार्ग है जिसे प्रभु तीसरी सहस्राब्दी की कलीसिया के लिए खोल रहे हैं।

धर्मसभा के लिए पद्धति आयोग की सुश्री क्रिस्टीना खेंग ने धर्मसभा की अब तक की यात्रा पर अपनी अंतर्दृष्टि दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धर्मसभा में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति एक सहभागी है न कि तमाशबीन। सुश्री क्रिस्टीना ने जोर देकर कहा, प्रारंभिक दस्तावेज़ 32 के आधार पर, "धर्मसभा का उद्देश्य, और इसलिए इस परामर्श का उद्देश्य दस्तावेज तैयार

करना नहीं है, बल्कि 'सपनों को रोपना, भविष्यवाणियों और दर्शनों को आकर्षित करना, आशा को फलने-फूलने देना, विश्वास को प्रेरित करना, घावों को बांधना, रिश्ते, आशा की सुबह जगाएं, एक दूसरे से सीखें और एक उज्ज्वल संसाधनपूर्णता बनाएं जो मन को प्रबुद्ध करे, दिल को गर्म करे, हमारे हाथों को ताकत दे।" उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिभागियों को केवल एक दस्तावेज तैयार करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इसके बजाय एक-दूसरे का सामना करने, बातचीत करने, संबंध बनाने, एक समझदार समुदाय के रूप में विकसित होने और एशिया में ईश्वर के लोगों के रूप में आत्मा में एक साथ चलने का अनुभव करने की आवश्यकता है।

धर्मसभा एक चितनशील प्रक्रिया होने के नाते, प्रतिनिधियों को विवेक की आध्यात्मिकता से परिचित कराया गया। यह किर्गिस्तान के प्रेरितिक प्रशासक फादर एंथोनी जेम्स कोरकोरन एसजे, द्वारा उजागर किया गया था। फादर एंथनी ने प्रतिनिधियों को यह समझने में मदद की कि विवेक पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित एक यात्रा है, मरने के बाद पुनरुत्थान और यह अपनी योजनाओं, निश्चितताओं और एजेंडे को जाने देना है, और खुद को अप्रत्याशित द्वारा नए जीवन में निर्देशित करने की अनुमति देना है। एवेंजेली गौडियम न. 51 को उद्धृत करते हुए, "यह स्पष्ट करना उचित है [पहचानना] कि स्वर्गराज्य का फल क्या हो सकता है और यह भी कि ईश्वर की योजना को क्या हानि पहुँचाता है", फादर एंथनी ने आज की चर्चाओं के लिए स्वर निर्धारित किया।

फादर क्लैरेंस देवदास ने एफएबीसी धर्मसभा (सिनॉड) टास्क फोर्स द्वारा ड्राफ्ट फ्रेमवर्क तैयार करने की प्रक्रिया और यात्रा को रेखांकित किया। अपनी प्रस्तुति में, फादर क्लेरेंस ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि मसौदा ढांचा एक खुला और कार्यशील पेपर था, जो प्रतिनिधियों को प्रार्थना के माध्यम से विचार करने, चर्चा करने और विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ यात्रा करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया था। फादर क्लेरेंस ने उन 5 क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जिन्हें इस पेपर ने इस मसौदे में शामिल किया है; एशियाई अनुनाद, एशियाई तनाव, एशियाई वास्तविकताएं और विचलन, एशियाई प्रतिक्रियाओं में पहचाने गए अंतराल, और एशियाई प्रतिक्रियाओं से प्राथमिकताएं। फादर क्लेरेंस ने जोर देकर कहा कि मसौदा ढांचा (ड्राफ्ट फ्रेमवर्क) विवेक प्रक्रिया को प्रज्वलित करने के लिए है ताकि अंतिम परिणाम सही मायने में सपने, आशाओं, आकांक्षाओं और दर्द का प्रतिनिधित्व करे जो एशिया महाद्वीप के भीतर गूंजता है।

दिन के लिए सूत्रधार हांगकांग के बिशप स्टीफन चाउ एसजे, महाद्वीपीय मंच के लिए सिनॉड टास्क फोर्स की सदस्य सुश्री सुसान पास्को और फिलीपींस के काथलिक धर्माध्यक्षीय सम्मेलन से धर्मसभा पर एशियाई महाद्वीपीय सभा में भाग लेने वाले प्रतिभागी जॉय कैंडेलारियो थे।

प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत प्रार्थना में तीन प्रश्नों पर विचार करने के लिए आमंत्रित किया गया था: धर्मसभामय (सिनॉडल) प्रक्रिया का उनका अनुभव क्या रहा है? वे इस सभा में अपने कार्य के रूप में क्या देखते हैं? वे 'आध्यात्मिक वार्तालाप' की प्रक्रिया के बारे में क्या सोचते हैं?

अपने दोपहर के भोजन के बाद, प्रतिनिधियों ने समूहों में मुलाकात की, और मसौदा ढांचे (ड्राफ्ट फ्रेमवर्क) के पहले भाग पर चर्चा की और उनकी टिप्पणियों पर रिपोर्ट की।